**‘ नवनिर्मित भवन उदघाटन व दिव्य समर्पण समारोह ’**

करनाल 3 अप्रैल 2016,
  ब्रह्माकुमारीज एक अन्तर्राष्ट्रीय अध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्था ही नहीं विचारधारा भी है। यह संस्था समाज को नई राह दिखाने का काम कर रही है। ये उद्गार हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्थानीय सेक्टर -12 के हुडा मैदान में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय करनाल द्वारा आयोजित दिव्य समर्पण समारोह में प्रदेश के कईं राज्यों से आई ब्रह्माकुमारीज और उपस्थित जन समूह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज पूरे विश्व को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। इनके द्वारा चलाए गए कार्यो से हमें सीख लेने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुद्ध संकल्प ही जीवन में सफलता का मूल मंत्र है। इस प्रकार की व्यवस्था को आगे बढ़ाने में ब्रह्माकुमारीज संस्था का उल्लेखनीय योगदान रहा है। जिन लोगों को ब्रह्माकुमारीज के दिखाए हुए रास्ते पर चलने का अवसर मिलता है वह बड़े सौभाग्यशाली होते है। ब्रह्माकुमारीज की स्थापना सन 1937 में हुई थी और आज इनके केन्द्र विश्व के कईं देशों में चल रहे है। ब्रह्माकुमारीज चरित्र निर्माण, नशामुक्ति सहित अन्य विषयों पर दिन रात काम कर रही है। सामान्य जनता सडक़ों, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रगति मानती है, जबकि यह भौतिक चीजों का निर्माण है, व्यक्ति और चरित्र निर्माण सबसे बड़ा निर्माण है। इस कार्य को ब्रह्माकुमारीज बड़ी सफलता के साथ आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता मिशन आदि महत्वपूर्ण अभियानों में बढ़चढक़र भाग ले रही है। इनके केन्द्र हरियाणा के कईं गांवों में चल रहे है, जहां पर शांति, प्रेम और आपसी सद्भावना का संदेश दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश अलग-अलग रहन-सहन, खान-पान, विभिन्न वेशभुषाओं वाला देश है। भाषा के आधार पर भारत में बेशक कईं प्रदेश बने हुए है,लेकिन आपसी भाईचारे में भारत हमेशा एक रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज माउंट आबू में जो केन्द्र है वो एकता की तस्वीर है, जहां पर पूरी दुनिया के लोग शांति की खोज में आते है और यही संदेश लेकर जाते है कि हम सब भाई-भाई है।

 समर्पण समारोह में ब्रह्माकुमारीज मांउट आबू की संयुक्त प्रशासिका आदरणीय राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी ने कहा कि जब धर्म की अतिग्लानि होती है,तब-तब भगवान गुप्त रूप में आकर समाज को आईना दिखाने का काम करता है और वर्तमान में यह हो भी रहा है,इसके लिए दूर दर्शिता की जरूरत है। अपनी अभिव्यक्ति में उन्होंने कहा कि जिस तरह से जीवन में पढ़ाई को अमूल्य मानते है और उसे आजीविका का साधन बनाते है,उसी तरह समाज की सभ्य सरंचना और व्यक्तित्व के नवनिर्माण में अध्यात्मिक संस्थाओं का उल्लेखनीय योगदान रहता है।

 समारोह में अनन्य अतिथि के तौर पर आये पिछड़ी जाति राष्ट्रीय आयोग भारत सरकार के चेयरमैन भ्राता न्यायमूर्ति वी.ईश्वरैय्या जी ने कहा कि करनाल में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित ऐसा पर्व उन्होंने कहीं नहीं देखा है। ब्रह्माकुमारीज बनना आसान काम नहीं है, इसके लिए स्थिर उद्देश्य को मद्द्ेनजर रखते हुए दृढ़ विश्वास के साथ संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैसे देवी परिवार हरियाणा में है ऐसे पूरे देश में नहीं है। उन्होंने कहा कि भाईचारे का  वातावरण पैदा हो,इसके लिए ब्रह्माकुमारीज को गांव-गांव में अपने केन्द्र खोलने चाहिए ताकि सामाजिक बुराईयों को खत्म किया जा सके।

समारोह में मुख्य संसदीय सचिव बख्शीश सिंह विर्क ने कहा कि वर्तमान समय में जिस भी व्यक्ति को शांति चाहिए उसे माउंट आबू जैसी अध्यात्मिक जगह में अवश्य घूम कर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि शांति पैसों से नहीं मिलती बल्कि परमात्मा के आशीर्वाद से मिलती है।

 इस अवसर पर हैफेड़ के चेयरमैन व घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम पूरे भारतवर्ष में चल रहे है,यह श्रेष्ठ व्यक्तित्व के निर्माण के लिए कार्य कर रही है। कार्यक्रम में नीलोखेड़ी के विधायक व बीजेपी के जिलाध्यक्ष भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज पूरे विश्व में जीने की राह सिखाने का काम कर रही है तथा भटके हुए लोगों को सही रास्ता दिखा रही है। उन्होंने कहा कि मांउट आबू धरती का स्वर्ग के समान है|

 इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय करनाल द्वारा मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। समारोह में चंडीगढ़ के जय गोपाल लुथरा और दिल्ली के वैशाली ग्रुप ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में मंच का संचालन स्थानीय सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके प्रेम दीदी ने किया।

 इस मौके पर पंजाब जोन ब्रह्माकुमारीज के निदेशक भ्राता अमीर चंद जी , मांउट आबू ब्रह्माकुमारीज के कार्यकारी सचिव भ्राता मृत्युजंय जी, माउंट आबू के फाउंडर व मैनेजर भ्राता भोपाल जी के अलावा मुख्यमंत्री के ओएसडी अमरेन्द्र सिंह, नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता, उपायुक्त डा.जे.गणेशन ज्योति इंटरप्राईजिज तरावड़ी के एमडी अनिल कुमार गुप्ता उपस्थित थे।

  दिव्य समर्पण समारोह के अवसर पर करनाल की रहने वाली पांच कन्यायों ने विश्व सेवा में अपने आपको  दिव्य समर्पित किया।